

## करती मेहरबानियां

सर को झुकालो, शेरावाली को मानलो, चलो दर्शन पालो चल के |  
करती मेहरबानीयाँ , करती मेहरबानियां ||  
गुफा के अन्दर, मन्दिर के अन्दर, माँ की ज्योतां है नुरानियाँ ||

मैया की लीला, देखो पर्वत है नीला |  
गरजे शेर छबीला, रंग जिसका है पीला, रंगीला |  
कठिन चढाईयां, माँ तेरियां लाईआं, यह है मैया की निशानियां ||

कष्टों को हरती, मैया मंगल है करती |  
मैया शेरों वाली का, दुनिया पानी है भरती, दुःख हरती |  
अजब नज़ारे, माते के द्वारे, और रुत्ता मस्तानीय ||

कोढ़ी को काया, देवे निर्धन को माया |  
करती आचल की छाया, भिखारी बन के जो आया |  
चला चल, माँ के द्वारे, कटे संकट सारे, मिट जाए परशानियाँ ||

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/91/title/sar-ko-jhukaalo--sheravaali-ko-manalo--chalo-darshan-paalo-chal-ke--karti-meharbaaniya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |